

उत्तर-अब्राहम लिंकन की पुनर्निर्माण योजना पर प्रकाश डालें।  
उत्तर-अब्राहम लिंकन का यह विश्वास था कि दक्षिण में अनेक  
एकाग्रवादी हैं जिनसे कुछ अपूर्व किया जा सके। उन्हें क्षिप्तों के लिए  
के लिए सोसाइटी किया जा सकता था ऐसा करने और संघ  
के पुनर्स्थापना होने से गणतंत्रवादी दल के उद्भव होने की  
संभावना थी।

योजना का स्वरूप :- लिंकन के अनुसार पुनर्निर्माण  
योजना का स्वरूप निम्न प्रकार होगा चाहिए :-

लिंकन सिद्धांतों और राजनीति में विश्वास करता था।  
उत्तर-संघ की अधिकांशता के सिद्धांतों और प्रजातंत्र में विश्वास था।  
सामंतीवाद होने के कारण उत्तरने वाली समझौते के लिए आसान  
नहीं थी। वह प्रथम राज्यों को संघ में शामिल करना चाहता  
था। उत्तरने के बाद 1863 में जनरल के सामने अपनी योजना  
वरत हुए सरकार के प्रति गहरे आपन गहन करने वालों को  
सामान्य धर्म की घोषणा की इसमें परिसंघ के उच्च-संस्थि  
तम अमेरिकन पदाधिकारी भी थे।

इस योजना के द्वारा लिंकन का यह आशा था कि  
दक्षिण के गैर दासों को लक्ष के लिए खतम कर देंगे। उत्तर यह  
की आशा थी कि वे समय, स्थिति और संघीय संघ में गहरे  
हूँ नीचे लोगों को गलायिका दे देंगे। 1864 ई. में तीन  
दक्षिण राज्यों लुइसियाना, आर्कान्सास और टेनेसी में लिंकन  
की योजना के अन्तर्गत सामंतीय सरकारों की स्थापना हुई।

लिंकन की उदारवादी योजना से अतिवादी  
गणतंत्रवादी कोषित थे। कॉन्ग्रेस में उनका अधिक प्रभाव नहीं  
आता। उच्च नीतियों राज्यों और टेनेसी के प्रतिनिधि कॉन्ग्रेस में  
सम्मिलित नहीं किए गए। 1864 के निर्वाचन में इन  
राज्यों के निर्वाचक मतदाता की योजना भी नहीं की गई।

लिंकन की योजना का अन्तर्गत के लिए अनेक  
उदारवादीयों के गणतंत्रवादीयों ने अतिवादीयों का साथ दिया।  
अतिवादीयों ने लिंकन की योजना को रद्द कर दक्षिण अपनी  
और से एक योजना पेश की जिस योजना में भी कुछ  
बोध थी :-

उन्होंने पुनर्निर्माण योजना के संबंध में हीक से विचार  
नहीं किया था। उन्हें अपने गहरे समझौते की बातों की कमी  
पता नहीं थी उन्हें यह पता नहीं था कि उत्तरी क्षेत्र में जनरल  
उत्तरवादी नेताओं के विचार से कदा तक सहमत हैं। जुलाई 1864



में ब्रिटेन में आकर कांग्रेस के वेड डेविड विधेयक पारित किया अतिवाधियों की यह पहली पुनर्निर्माण योजना थी इसके उपबंधों के अनुसार निम्न व्यवस्था थी।

राष्ट्रपति प्रत्येक वर्ष एक राज्य में एक अलग-थलग राज्य की नियुक्ति करेगा जो उसके क्षेत्र प्रमुखों की गणनात्मक कार्यालय विधुसंग्रह को द्वारा सामाजिक की शायद लेने पर राज्य-संविधानिक सम्मेलन के लिए निर्वाचन करेगा। इसके प्रतिनिधियों के निर्वाचन में वे ही लोग भाग लेंगे जो यह शायद लेगे कि संयुक्त राज्य के विरुद्ध उन्होंने लड़ाई नहीं उठाई है। सम्मेलन संविधान का निर्माण करेगा। इसके बाद-उम्मीद, परसंग के सौजन्य-अर्थिक नेतृत्व को प्राधिकार से वसित करने तथा परसंग और राज्य-संघों के परसंग उपलब्ध के बाद में ही व्यवस्था थी। इन बातों की पूर्ति के बाद ही कांग्रेस सभी राज्यों को संघ में पुनः सम्मिलित कर सकती थी। नीचे की दिमें जानें वाले राजनीतिक अधिकार राज्यों के निर्वाचन पर बाँट दिये गए।

डेविड विधेयक कांग्रेस के स्थापित होने के कुछ ही वर्षों में वेड-डेविड विधेयक पारित कर दिया गया, किन्तु लिंकन ने इस पर निषेधाधिकार लागू किया। इस पर इसके प्रयोग वैधानिक एक वेड और हेनरी विरर-डेविड लिंकन पर कुछ ही उठे। उन्होंने डेविड योजना पर जारी करके राष्ट्रपति के विरोधाभास तथा कांग्रेस की पुनर्निर्माण शक्तों पर राष्ट्रपति के हस्तक्षेप और निर्वाचन की धोरण दिख की।

लिंकन अतिवाधियों की शक्ति और विरोध की उपेक्षा नहीं कर सकता था वह काफी ज्यादा कुशल भाव उत्पन्न एक नये दृष्टिकोण से पुनर्निर्माण के प्रश्न को देखकर शुरू कर दिया ताकि उम्मीद लोगों पर अधिकाधिक धर्म वैधान्य स्थापित हो सके।

इसी मध्य 14 अप्रैल 1865 ई को अतिवाधियों की विधेयक बुध के वाशिंगटन नगर में लिंकन पर गोलियों की ओर 15 अप्रैल 1865 की प्रातः लिंकन का निधन हो गया। लिंकन के मृत्यु के बाद-दक्षिण के साथ उत्तरी उत्तर अति-समझौते नीति का कार्यान्वयन भी नहीं किया जा सका।